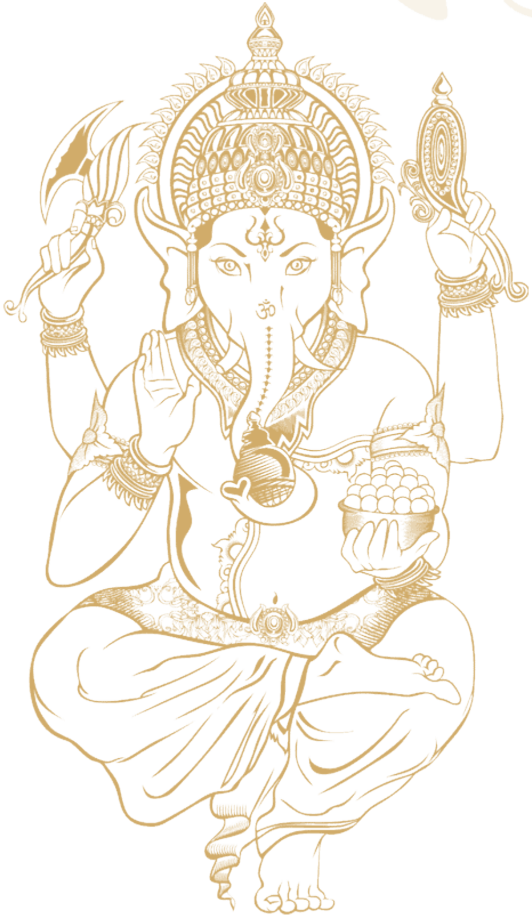

Mr.

14 Dec 2025

03:32 AM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121528403

लिंग : पुल्लिंग

जन्म तिथि : 13-14/12/2025

दिन : शनि-रविवार

जन्म समय : 03:32:00 घंटे

इष्ट : 52:15:55 घटी

स्थान : Hyderabad

राज्य : Telangana

देश : India

अक्षांश : 17:22:00 उत्तर

रेखांश : 78:26:00 पूर्व

मध्य रेखांश : 82:30:00 पूर्व

स्थानिक संस्कार : -00:16:16 घंटे

ग्रीष्म संस्कार : 00:00:00 घंटे

स्थानिक समय : 03:15:44 घंटे

वेलान्तर : 00:05:48 घंटे

साम्पातिक काल : 08:47:05 घंटे

सूर्योदय : 06:37:38 घंटे

सूर्यास्त : 17:43:34 घंटे

दिनमान : 11:05:56 घंटे

सूर्य स्थिति(अयन) : दक्षिणायन

सूर्य स्थिति(गोल) : दक्षिण

ऋतु : हेमन्त

सूर्य के अंश : 27:55:54 वृश्चिक

लग्न के अंश : 15:15:41 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति : तुला - शुक्र

राशि-स्वामी : कन्या - बुध

नक्षत्र-चरण : हस्त - 4

नक्षत्र स्वामी : चन्द्र

योग : सौभाग्य

करण : वणिज

गण : देव

योनि : महिष

नाड़ी : आद्य

वर्ण : वैश्य

वश्य : मानव

वर्ग : श्वान

युँजा : मध्य

हंसक : भूमि

जन्म नामाक्षर : ठ-ठाकुर

पाया(राशि-नक्षत्र) : लौह - रजत

सूर्य राशि(पाश्चात्य) : धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:15:41	332:08:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	27:55:54	01:01:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	20:56:47	12:01:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	04:43:36	00:45:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	08:16:49	01:18:02	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	29:15:26	00:05:57	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	22:13:36	01:15:31	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	01:09:34	00:01:41	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	18:49:01	00:03:04	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	18:49:01	00:03:04	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:19:17	00:02:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:09:18	00:00:07	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:59:18	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	15:06:56	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:15

लग्न-चलित

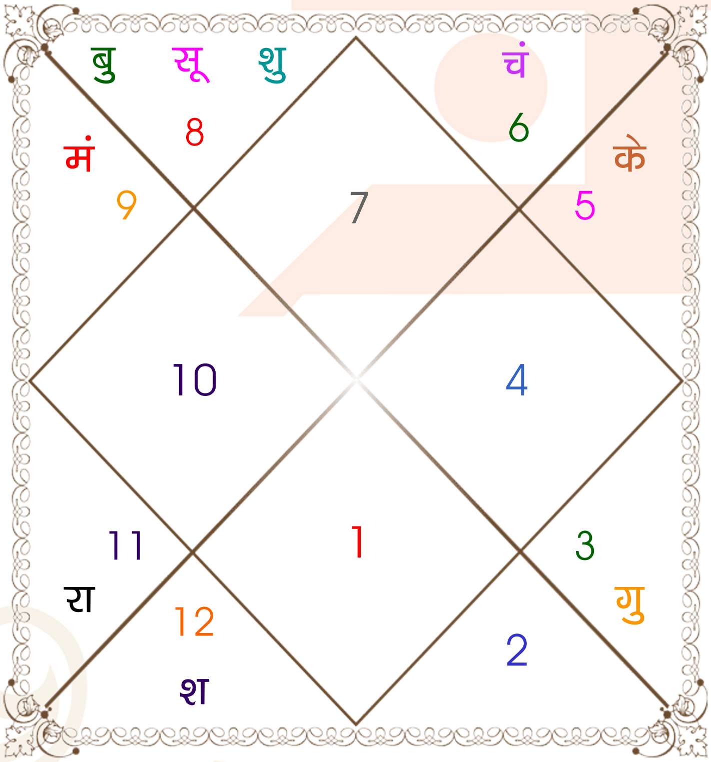

चन्द्र कुंडली

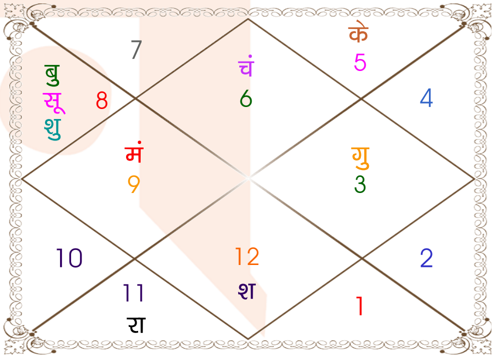

नवमांश कुंडली

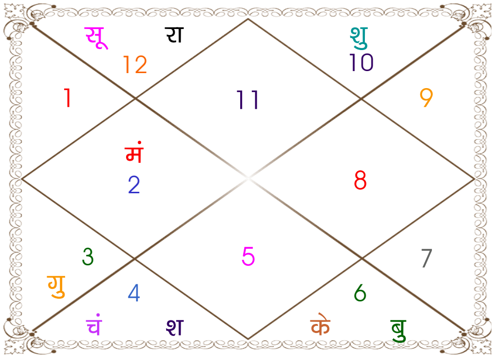

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 9 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
14/12/2025	**28/09/2027**	**28/09/2034**	**28/09/2052**	**28/09/2068**
28/09/2027	**28/09/2034**	**28/09/2052**	**28/09/2068**	**28/09/2087**
00/00/0000	मंगल 25/02/2028	राहु 10/06/2037	गुरु 16/11/2054	शनि 02/10/2071
00/00/0000	राहु 14/03/2029	गुरु 04/11/2039	शनि 29/05/2057	बुध 11/06/2074
00/00/0000	गुरु 18/02/2030	शनि 10/09/2042	बुध 04/09/2059	केतु 20/07/2075
00/00/0000	शनि 30/03/2031	बुध 29/03/2045	केतु 10/08/2060	शुक्र 19/09/2078
00/00/0000	बुध 26/03/2032	केतु 17/04/2046	शुक्र 11/04/2063	सूर्य 01/09/2079
00/00/0000	केतु 22/08/2032	शुक्र 17/04/2049	सूर्य 28/01/2064	चंद्र 01/04/2081
14/12/2025	शुक्र 22/10/2033	सूर्य 11/03/2050	चंद्र 29/05/2065	मंगल 11/05/2082
शुक्र 30/03/2027	सूर्य 27/02/2034	चंद्र 10/09/2051	मंगल 05/05/2066	राहु 17/03/2085
सूर्य 28/09/2027	चंद्र 28/09/2034	मंगल 28/09/2052	राहु 28/09/2068	गुरु 28/09/2087

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
28/09/2087	**29/09/2104**	**29/09/2111**	**29/09/2131**	**29/09/2137**
29/09/2104	**29/09/2111**	**29/09/2131**	**29/09/2137**	**00/00/0000**
बुध 24/02/2090	केतु 25/02/2105	शुक्र 29/01/2115	सूर्य 17/01/2132	चंद्र 30/07/2138
केतु 21/02/2091	शुक्र 27/04/2106	सूर्य 29/01/2116	चंद्र 18/07/2132	मंगल 28/02/2139
शुक्र 22/12/2093	सूर्य 02/09/2106	चंद्र 29/09/2117	मंगल 23/11/2132	राहु 29/08/2140
सूर्य 29/10/2094	चंद्र 03/04/2107	मंगल 29/11/2118	राहु 17/10/2133	गुरु 29/12/2141
चंद्र 29/03/2096	मंगल 30/08/2107	राहु 29/11/2121	गुरु 05/08/2134	शनि 31/07/2143
मंगल 26/03/2097	राहु 17/09/2108	गुरु 30/07/2124	शनि 18/07/2135	बुध 29/12/2144
राहु 14/10/2099	गुरु 23/08/2109	शनि 29/09/2127	बुध 24/05/2136	केतु 30/07/2145
गुरु 20/01/2102	शनि 02/10/2110	बुध 30/07/2130	केतु 29/09/2136	शुक्र 15/12/2145
शनि 29/09/2104	बुध 29/09/2111	केतु 29/09/2131	शुक्र 29/09/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्‍वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्‍वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।